श्री राज बब्बर (उत्तराखंड): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री प्रताप सिंह बाजवा (पंजाब): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री आनंद भास्कर रापोलू (तेलंगाना): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

कुछ माननीय सदस्य: महोदय, हम भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करते हैं। ...**(व्यवधान)**...

Implementation of special package for Bihar

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): उपसभापति जी, स्पेशल पैकेज के मुद्दे को शून्य काल के दौरान उठाने के लिए आपने जो समय दिया है, मैं उसके लिए आपका आभारी हूं। प्रधान मंत्री जी ने बिहार विधान सभा चुनाव के दौरान 18 अगस्त, 2015 को बिहार के आरा चुनावी सभा में अपने भाषण के दौरान बिहार राज्य के विकास के लिए 1 लाख, 25 हजार करोड़ रुपये का विशेष पैकेज देने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि बिहार में सड़क, रेल, विद्युत, कौशल विकास, हवाई अड्डा, पेट्रोलियम, गैस, पर्यटन, किसान कल्याण, स्वास्थ्य देखभाल और विकास के लिए आधारभूत ढांचे को मजबूत किया जाएगा। इससे लोग प्रभावित हुए और बिहारवासियों को ऐसा लगा कि पहली बार जब देश के सर्वोच्च स्तर से बिहार के विकास के लिए इतनी बड़ी धनराशि का आवंटन किया जा रहा है, तो निश्चित तौर पर बिहार के पिछड़ेपन को दूर करने की दिशा में एक सार्थक पहल होगी। लेकिन महोदय, बहुत दुख के साथ यह कहना पड़ रहा है कि विशेष पैकेज के नाम पर बिहार के लोगों को ठगा गया है। इनमें अधिकांश आवंटन उन योजनाओं को पूरा करने के लिए था, जो पहले से ही चल रही थीं। इसमें किसी भी नई योजना के लिए कोई व्यापक आवंटन नहीं किया गया है। महोदय,मैं पूछना चाहता हूं कि आखिर इस विशेष पैकेज में विशेष क्या है? क्या राष्ट्रीय स्तर पर संपूर्ण देश के लिए जो योजनाएं सरकार द्वारा तैयार की जाती हैं, उनसे बिहार को अछूता रखा जाएगा, क्या वे योजनाएं बिहार में लागू नहीं की जाएंगी? जिन नई योजनाओं की घोषणाएँ की गई थीं, वे सारी योजनाएँ कागज पर हैं और उनमें से कोई भी जमीन पर दिखाई नहीं दे रही है, चाहे वह बक्सर थर्मल पावर प्लांट का मुद्दा हो, या बांका में अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्ट का मामला हो, या रेलवे लाइन के विद्युतीकरण का मामला हो, या बिहार में सात पर्यटक सर्किट के विकास का मुद्दा हो। मेरा सीधा आरोप है कि इनमें से किसी भी योजना पर कोई भी सार्थक पहल नहीं हुई है और कार्य भी आरंभ नहीं हुआ है। आखिर प्रधान मंत्री जी की घोषणाओं की गरिमा का क्या होगा? यदि ये घोषणाएँ मात्र कागजों पर सीमित रह जाएं, और जमीन पर न उतर पाएं, तो क्या होगा? उपसभापति जी, मैं सरकार से मांग करता हूं कि प्रधान मंत्री जी ने बिहार चुनाव के दौरान, बिहार के विकास के लिए जिस तथाकथित विशेष पैकेज की घोषणा की थी, उसके तहत उनके लिए समुचित राशि का आवंटन तुरंत किया जाए, ताकि जो योजनाएँ बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं, उन्हें पूरा किया जा सके और प्रधान मंत्री जी की घोषणाओं का सम्मान हो सके, हम इसकी सरकार से मांग करते हैं।

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूं।

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री प्रेम चन्द गुप्ता (झारखंड): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

कुछ माननीय सदस्यः महोदय, हम भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करते हैं।

श्री उपसभापतिः रेवती रमन सिंह जी, क्या आपका लोन वेवर के बारे में ज़ीरो ऑवर मेंशन है?

श्री रेवती रमन सिंह (उत्तर प्रदेश)ः जी।

श्री उपसभापतिः वह हो चुका है। क्या आपको एसोसिएट करना था?

श्री रेवती रमन सिंहः नहीं एसोसिएट नहीं करना था। हमने पूरे देश के लिए इसको अलग से दिया है। वह तो महाराष्ट्र के लिए था, हमने महाराष्ट्र के लिए नहीं दिया है।

श्री उपसभापतिः अगर ऐसा है तो आप अलग से नोटिस दे दो।

श्री रेवती रमन सिंहः हमने पूरे देश के लिए नोटिस दिया है।

श्री उपसभापतिः ठीक है, यदि ऐसा है तो आप कल के लिए दूसरा नोटिस दे दो।

श्री रेवती रमन सिंहः कल भी दिया, आज भी दिया। आप हमारा नोटिस ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः दोनों एक ही सब्जेक्ट हैं।

श्री रेवती रमन सिंहः एक सब्जेक्ट नहीं हैं।

श्री उपसभापतिः एक सब्जेक्ट नहीं हैं, तो ठीक है, आप दूसरा नोटिस दे दो, हम कंसिडर करेंगे।

श्री रेवती रमन सिंहः चलिए ठीक है।

Allegedly influencing the bye-election in Litipada constituency in Jharkhand

श्री संजीव कुमार (झारखंड)ः उपसभापति महोदय, आज प्रधान मंत्री जी झारखंड के साहिबगंज गए हैं, उनका झारखंड में बहुत स्वागत है। प्रधान मंत्री जी जब देश के किसी भी हिस्से में जाते हैं, तो वे पूरे देश के प्रधान मंत्री हैं, वहां उनका स्वागत पूरे जोर-शोर से होना चाहिए। प्रधान मंत्री जी आज झारखंड गए हैं, वे वहां साहिबगंज में पहाड़ियां बटालियन को नियुक्ति पत्र देंगे और औरतों के बीच स्मार्ट फोन बांटेंगे। मैं आपको यह बता देना चाहता हूँ कि आज 6 तारीख है और ठीक 9 तारीख को बगल में ही लिटिपारा विधान सभा क्षेत्र में उप-चुनाव है। यह सभी न्यूज-पेपर्स में छाया हुआ है कि वहां पर लिटिपारा के अलावा अगल-बगल की सभी जगहों से लोगों को लाया जाएगा, प्रधान मंत्री जी का भाषण होगा और वहां पर ये सब सामग्रियां बांटी जाएंगी।

महोदय, यह विधान सभा के उप-चुनाव का मामला है। सदन में यहां पर हमसे बहुत अनुभवी लोग बैठे हुए हैं, मैं सदन के कॉन्शेंस पर छोड़ता हूँ कि क्या इस तरह से करने से चुनाव पर अफेक्ट होता है या नहीं होता है? मेरी कोई मांग नहीं है, मैं यह सदन की आत्मा पर छोड़ता हूँ कि इस तरह से होने से चुनाव प्रभावित होता है या नहीं होता है, क्योंकि यह लिटिपारा कंस्टीट्यूएन्सी बगल में ही है? धन्यवाद, महोदय।

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार)ः महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार)ः महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूँ।